एक साल बाद मिली लापता नाबालिग

नागपुर, कार्यालय प्रतिनिधि. सावनेर पुलिस स्टेशन में 31 मार्च 2025 को दर्ज मिसिंग मामले में एक 16 वर्षीय नाबालिग लड़की का आखिरकार पुलिस ने पता लगा लिया. पुलिस अधीक्षक नागपुर ग्रामीण हर्ष पोद्दार के निर्देश पर इस मामले की जांच अनैतिक मानव तस्करी प्रतिबंधक कक्ष नागपुर ग्रामीण को सौंपी गई. प्रभारी अधिकारी मिलिंद तायडे के मार्गदर्शन में पुलिस उपनिरीक्षक मंगेश वानखेड़े, महिला पुलिस हवलदार ज्योति वानखेड़े, अर्चना कांबले और पुलिस सिपाही पन्नालाल बटाउवाले ने मामले की गहन जांच की. गुप्त सूचना और तकनीकी सबूतों के आधार पर पुलिस को जानकारी मिली कि लापता लड़की अपनी एक सहेली के साथ गन्ना कटाई मजदूरी के लिए सातारा जिले में गई हुई है. पुलिस टीम ने तकनीकी सबूतों के आधार पर 12 मार्च 2026 को मनसर से उक्त नाबालिग लड़की को सुरक्षित बरामद कर लिया. फिलहाल मामले की आगे की जांच सावनेर पुलिस द्वारा की जा रही है.

ट्रैफिक नियमों की अनदेखी पड़ी भारी

2,480 वाहन चालकों के लाइसेंस रद्द करने का प्रस्ताव

नागपुर, कार्यालय प्रतिनिधि. नागपुर ग्रामीण जिले में बार-बार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है. जिला यातायात शाखा ने ऐसे चालकों की जानकारी एकत्रित कर उनके ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित या रद्द करने के लिए 2,480 प्रस्ताव प्रादेशिक परिवहन कार्यालय (आरटीओ) को भेजे हैं. जिला यातायात शाखा नागपुर ग्रामीण द्वारा की गई जांच में पाया गया कि कई वाहन चालक लगातार ई-चालान के बावजूद नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं. इनमें तेज गति से वाहन चलाना, सिग्नल तोड़ना, वाहन की क्षमता से अधिक सवारी या माल ढोना, शराब पीकर वाहन चलाना तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन शामिल है. ऐसे नियमों की अनदेखी करने वाले कुल 2,480 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित या रद्द करने के लिए आरटीओ को प्रस्ताव भेजे गए हैं. नागपुर ग्रामीण पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करें. नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह कठोर कार्रवाई जारी रहेगी.

विदर्भ में बाघों की मौत पर RTI से हुआ खुलासा

5 वर्षों में शांत हुई 187 बाघों की दहाड़

नागपुर, शहर प्रतिनिधि. विदर्भ क्षेत्र में पिछले करीब 5 वर्षों के दौरान 187 बाघों की दहाड़ हमेशा के लिए शांत हो गई. बाघों की मौत होने का चौंकाने वाला खुलासा सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत प्राप्त जानकारी से हुआ है. इस आंकड़े ने वन्यजीव संरक्षण को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है. प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2021 से 2025 के बीच और वर्ष 2026 के पहले 2 माह में विदर्भ के विभिन्न वन क्षेत्रों में अलग-अलग कारणों से 187 बाघों की मौत दर्ज की गई है. इनमें प्राकृतिक कारण, आपसी संघर्ष, सड़क व रेल दुर्घटनाएं, बिजली का करंट तथा शिकार जैसी घटनाएं शामिल हैं. वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार विदर्भ के जंगलों में बाघों की संख्या बढ़ने के साथ-साथ उनके आवास क्षेत्र पर दबाव भी बढ़ा है जिसके कारण मानव-वन्यजीव संघर्ष और दुर्घटनाओं के मामले सामने आ रहे हैं. वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बाघों की सुरक्षा

के लिए लगातार निगरानी बढ़ाई जा रही है. साथ ही शिकार पर रोक लगाने, जंगलों में गश्त बढ़ाने और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से बाघ संरक्षण के प्रयास किए जा रहे हैं. पर्यावरण प्रेमियों और वन्यजीव संरक्षण से जुड़े संगठनों ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए बाघों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है, ताकि जंगलों की यह दहाड़ आने वाले समय में भी कायम रह सके.

2023 में सर्वाधिक मौतें उजागर

बीते 5 वर्षों में विदर्भ में बाघों की सर्वाधिक मौत होने का मामला वर्ष 2023 में उजागर हुआ. बता दें कि इस वर्ष कुल 52 बाघों ने अंतिम सांस ली. बता दें कि 52 में से 27 बाघों की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई थी, जबकि 10 बाघों ने रेल या सड़क हादसों में दम तोड़ दिया. इसके अलावा शिकार और बिजली के करंट से कुल 15 बाघ मारे गए.

वर्षवार हुई मौत

- वर्ष 2021 में कुल 32 बाघों की दहाड़ शांत हो गई.
- वर्ष 2022 में विदर्भ में 29 बाघों ने अंतिम सांस ली.
- वर्ष 2023 में सर्वाधिक 52 बाघों ने दम तोड़ दिया.
- वर्ष 2024 में सबसे कम 26 बाघों की मौत हुई.
- वर्ष 2025 में मौत का आंकड़ा बढ़कर 41 हो गया.
- वर्ष 2026 में अब तक 7 बाघों की मौत

63 की उम्र, 8.13 घंटे में 25.65 KM की रिकॉर्ड तैराकी

नागपुर, खेल प्रतिनिधि. 60 की उम्र के बाद जब अधिकांश लोग आराम की ओर बढ़ते हैं, उस पड़ाव पर 63 वर्षीय डॉ. राजेंद्र जायसवाल ने अद्भुत साहस, जज्बे और फिटनेस का परिचय देते हुए नर्मदा नदी में 25.65 किलोमीटर की लगातार तैराकी कर नया कीर्तिमान स्थापित किया. उन्होंने यह कठिन चुनौती 8 घंटे 13 मिनट में पूरी की. 11 मार्च को हुई इस ऐतिहासिक तैराकी को नर्मदा में अब तक का सबसे लंबा तैराकी प्रयास माना जा रहा है. आयोजन जय माता दी समिति, पिपरिया (मध्य प्रदेश) द्वारा किया गया. नागपुर निवासी डॉ. जायसवाल ने साबित कर दिया कि उम्र सिर्फ एक संख्या है और मजबूत इच्छाशक्ति के आगे हर सीमा छोटी पड़ जाती है. रिकॉर्ड पूरा होने पर उनका भव्य सम्मान किया गया, जिसमें स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे. इस उपलब्धि के पीछे की प्रेरणा बताते हुए उन्होंने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया' अभियान से प्रेरित हैं और युवाओं को फिटनेस, नर्मदा की स्वच्छता तथा क्षेत्रीय पर्यटन के प्रति जागरूक करना चाहते हैं. वे कहते हैं कि उन्होंने नर्मदा नदी और पिपरिया को इसलिए चुना क्योंकि वे मूल निवासी पिपरिया के ही हैं.

बिजली चोरी करने वाले आटा चक्की मालिक पर एफआईआर, पहले भी दर्ज हुआ था मामला

नागपुर, निज संवाददाता. बकाया बिजली बिल और पहले बिजली चोरी के मामले के बावजूद फिर से अवैध रूप से बिजली का उपयोग करने वाले महल क्षेत्र के एक आटा चक्की मालिक के खिलाफ महावितरण ने पुलिस में मामला दर्ज करवाया है. महल जोन के नाईक रोड, काला पत्थर मस्जिद क्षेत्र के ग्राहक शेख जबीउल्ला शेख खलील उल्ला उर्फ खलील मिस्त्री पर महावितरण का लगभग 85,390 रुपये का बिजली बिल बकाया है. उसके खिलाफ एक वर्ष पूर्व 15 फरवरी 2025 को भी 64,609 रुपये की बकाया राशि और 1138 यूनिट बिजली चोरी के मामले में एफआईआर दर्ज की गई थी. बार-बार नोटिस देने के बावजूद बकाया राशि जमा नहीं करने पर उनका बिजली कनेक्शन काट दिया गया था.

डायरेक्ट वायर जोड़ बिजली चोरी : गुरुवार को सुबह सहायक अभियंता श्रीकांत बहादुरे और मनीष वाकड़े की टीम जांच के लिए आटा चक्की पहुंची. जांच के दौरान पाया गया कि आरोपी खलील मिस्त्री महावितरण की लो टेंशन लाइन से सीधे तीन-फेज तार जोड़कर 10 एचपी की मोटर चला रहा था. उसने अवैध रूप से बिजली कनेक्शन जोड़ रखा था. टीम ने लगभग 10-10 फुट लंबाई के दो सर्विस वायर और 'सिक्योर' कंपनी का मीटर जब्त किया. पूरी कार्रवाई की फोटोग्राफी और वीडियो रिकॉर्डिंग भी की गई. उसके खिलाफ कोतवाली पुलिस स्टेशन में फिर से शिकायत दर्ज कराई गई.

महावितरण के आंकड़े में आया सुधार : कंपनी का दावा

नागपुर. जनवरी 2026 में केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक रिपोर्ट में महावितरण की कार्यक्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है. यह दावा महावितरण ने किया है. महावितरण द्वारा प्रस्तुत नवीनतम आंकड़ों (वर्ष 2024-25) के अनुसार कंपनी के आर्थिक और तकनीकी प्रदर्शन में भारी सुधार हुआ है. कंपनी ने बयान जारी कर कहा है कि वर्ष 2023-24 में जहां महावितरण को 1.52 अंक मिले थे वहीं नवीनतम रिपोर्ट में यह बढ़कर 16.63 अंक हो गए हैं, साथ ही कंपनी की श्रेणी माइनस सी से बढ़कर सी श्रेणी में आई है. बिलिंग दक्षता 83.59प्रतिशत से बढ़कर 84.22प्रतिशत और बिल वसूली की दक्षता 90.46प्रतिशतसे बढ़कर 97.26प्रतिशत हो गई है जो सार्वजनिक वितरण कंपनियों के राष्ट्रीय औसत से भी अधिक है.

एक नजर में

भुगतान के आश्वासन के बाद आंदोलन स्थगित

पाथाखेड़ा। पाथाखेड़ा क्षेत्र की कोयला खदानों में कार्यरत ठेका मजदूरों के बकाया वेतन को लेकर जारी अनिश्चितकालीन आंदोलन अब समाधान की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। शनिवार दोपहर लगभग 12 बजे प्रबंधन अधिकारी एच आर एम विनायक शंकर व श्रम अधिकारी आशीष गुप्ता आंदोलन स्थल पर पहुंचे और मजदूरों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। इसके बाद प्रबंधन एवं ठेकेदारों के साथ चर्चा कर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। बैठक में यह सहमति बनी कि प्रबंधन के नियमानुसार तीन दिनों के भीतर मजदूरों का बकाया वेतन उनके बैंक खातों में जमा कराया जाएगा। इस आश्वासन के बाद मजदूरों ने सोमवार से अनिश्चितकालीन आंदोलन को स्थगित करने का निर्णय लिया है। श्रम अधिकारी ने ठेकेदारों के साथ विशेष चर्चा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी मजदूरों को उनका संपूर्ण वेतन समय पर प्रदान किया जाए तथा भविष्य में किसी भी मजदूर के वेतन में अनावश्यक देरी या बिना कारण कार्य से हटाने जैसी स्थिति उत्पन्न न हो। इसके अतिरिक्त कई वर्षों से लंबित कुछ मजदूरों के सीएमपीएफ (कोल माइंस प्रोविडेंट फंड) की कटी हुई राशि को भी आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी कर वापस दिलाने की कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया। इस दौरान श्रमिकों के समर्थन में सामाजिक कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से प्रदीप नागले, मनोज पवार, संतोष देशमुख, बाबूलाल भारती, धर्मेन्द्र चौरे, लिखीराम, बलराम देशमुख, मोहन, अजय सहित अन्य समाजसेवी एवं मजदूर प्रतिनिधि मौजूद रहे। मजदूरों ने उम्मीद जताई कि प्रशासन और प्रबंधन के हस्तक्षेप से उनकी वर्षों पुरानी समस्याओं का स्थायी समाधान निकलेगा।

शिविर में 360 लोगों ने लिया उपचार का लाभ

बैतूल। आयुष विभाग द्वारा आमजन के बेहतर स्वास्थ्य और आयुर्वेद के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित निःशुल्क पंचकर्म चिकित्सा शिविर को लोगों का अच्छा प्रतिसाद मिला। जिला आयुर्वेद चिकित्सालय टिकारी और जिला चिकित्सालय परिसर स्थित आयुष विंग में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में मरीज पहुंचे .

15 साल बाद मां को मिली बेटी, प्रादेशिक मनोरुग्णालय व मां फाउंडेशन के प्रयासों को सफलता

नागपुर, महानगर संवाददाता. उम्मीद लगभग खत्म हो चुकी थी, लेकिन 15 साल बाद जब खोई हुई बेटी अचानक मां के सामने खड़ी हुई, तो उनकी आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े. बरसों की प्रतीक्षा जैसे एक ही पल में खत्म हो गई. यह भावुक और अविस्मरणीय मिलन संभव हुआ नागपुर के प्रादेशिक मनोरुग्णालय के कर्मचारियों की लगन और मां फाउंडेशन के सहयोग से. करीब 42 वर्षीया 'शीतल' (बदला हुआ नाम) 28 अगस्त 2023 को पुलिस के माध्यम से अस्पताल में भर्ती कराई गई थी. वह मानसिक रूप से अस्थिर थी और बहुत कम बोलती थी. कई सवालों का जवाब नहीं देती थी, लेकिन जब उससे पूछा जाता, 'क्या घर जाओगी' तो वह धीरे से सिर्फ एक ही शब्द कहती, जाऊंगी.' समाजसेवा अधीक्षक कुंदा काटेखाये बिडकर ने हार नहीं मानी. उन्होंने लगातार उससे संवाद करने की कोशिश जारी रखी.

कभी दो दिन बाद, कभी चार दिन बाद, वे उससे बात करतीं और उसके टूटे-फूटे शब्दों से उसके अतीत के धागे जोड़ने की कोशिश करती रहीं. मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार सहित कई जगहों की पुलिस से संपर्क किया गया, लेकिन लंबे समय तक कोई सुराग नहीं मिला. आखिर लगभग 27 महीनों की अथक कोशिशों के बाद बिहार के सुपौल जिले में उसके परिवार का पता चल गया.

- इंसानियत, संवेदनशीलता का जीवंत कहानी

जब फोन पर परिजनों से संपर्क हुआ तो खुशी तो हुई, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण वे नागपुर आने में असमर्थ थे. ऐसे में मां फाउंडेशन आगे आया. संस्था ने शीतल की यात्रा का पूरा खर्च उठाया, आवश्यक सामान उपलब्ध कराया और नागपुर रेलवे स्टेशन पर भावुक विदाई दी.

इसके बाद अस्पताल की टीम ने करीब 50 घंटे की लंबी यात्रा कर शीतल को बिहार पहुंचाया और उसे उसकी मां और भाई के सुपुर्द कर दिया. 15 साल बाद हुआ यह मिलन इंसानियत, संवेदनशीलता और उम्मीद की एक जीवंत कहानी बन गया. इस पूरी प्रक्रिया में अस्पताल के वैद्यकीय अधीक्षक डॉ. सतीश हुमने, उपवैद्यकीय अधीक्षक व मनोचिकित्सक डॉ. पंकज बागडे, रुपाली ठाकरे, आकाश काटोले, प्रदीप कामनानी, कविता शर्मा सहित अस्पताल और संस्था के कई कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

एक दिन में 4 स्थानों पर आगजनी की घटना

मुलताई। ग्रीष्मकाल मे आगजनी की घटनाओ मे इजाफा हो जाता है। प्रतिदिन कहीं ना कहीं आग लगते रहती है। शनिवार को एक ही दिन मे चार स्थानों पर आगजनी की घटनाए घटित हुई है। नगर पालिका फायर टीम को शनिवार कि दोपहर 12.20 बजे सूचना मिली कि चिखली कला मे दिनेश रघुवंशी की खरई मे आग लग गई, फायर बाहन के साथ गिरीश पिपले और मनोज सिंह मौके पर पहुंचे और आग बुझाई गई। वही दूसरी घटना 12.40 पर गोपाल तलाई मे मोक्षधाम के पास घास के रफा? मे आग गईं। आगजनी कि सूचना मिलने पर फायर टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। जबकि तीसरी घटना दोपहर 1.54 बजे परमंडल मे डॉ अंकुश भार्गव के खेत मे शार्ट सर्किट से आग लगने की सूचना मिलने पर फायर टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाई गईं।यहां पर शार्ट सर्किट से नरवाई में आग लग गई थी. वहीं दोपहर करीब 3 बजे ग्राम जाम में बंटी शिवहरे के खेत में काट के रखी 4 से 5 एकड़ की गेहूं की फसल में आग लग गईं ,आग लगने के कारण किसान खेत मे काटकर रखी गेंहू कि फसल जल गईं। सूचना मिलने पर नपा फायर टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाई।

19 मार्च को जन्म लेने वाली कन्याओं को देंगे चांदी के आभूषण

मुलताई। अखिल भारतीय साहू वैश्य महासभा दिल्ली एवं युवा साहू समाज सेवा संगठन जिला बैतूल के तत्वावधान में साहू समाज की अधिष्ठात्री देवी भक्त शिरोमणि मां कर्मा जयंती समारोह 19 मार्च को दोपहर 1 बजे से मुलताई के सरकारी अस्पताल में आयोजित की जाएगी।अखिल भारतीय साहू वैश्य महासभा दिल्ली के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रहलाद साहू, महासभा के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री महेश नायक राष्ट्रीय संगठन मंत्री गोपाल साहू ने बताया कि इस अवसर पर मां कर्मा जयंती एवं गुड़ी पाड़वा चैत्र नवरात्र 19 मार्च को मुलताई के सरकारी अस्पताल में जन्म लेने वाली कन्याओं का विशेष पूजा अर्चना कर चुनरी अर्पण एवं पुष्प वर्षा के साथ नवजात कन्याओं का पूजन कर कन्याओं को जन्म देने वाली माताओं को मिठाई खिलाकर बधाइयां दी जाएगी एवं नवजात कन्याओं को चांदी के लॉकेट आभूषण उपहार के रूप में दिए जाएंगे। महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रहलाद साहू ने बताया इस वर्ष साहू समाज मां कर्मा जयंती बालिका वर्ष के रूप में आयोजित कर रहा है।जिसमें समाज की कन्याओं के स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे एवं मुलताई ब्लॉक के साहू बहुल गांवों में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के आयोजित किए जाएंगे।

मेडिकल कॉलेजों की ऑटोनॉमी का रास्ता साफ

जीएमसी का समावेश, उच्च स्तरीय समिति का गठन

नागपुर, महानगर संवाददाता. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देशानुसार नागपुर के शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय व अस्पताल, मुंबई के ग्रांट शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय तथा सर जे. जी. समूह अस्पताल को स्वायत्तता देने के लिए राज्य सरकार ने उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है. इस समिति की अध्यक्षता राज्य के पूर्व मुख्य सचिव जयंत कुमार बांठिया करेंगे. इस संबंध में वैद्यकीय शिक्षा एवं औषधि विभाग ने हाल ही में शासन निर्णय भी जारी किया है.मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि स्वायत्तता के माध्यम से राज्य के प्रमुख शासकीय मेडिकल संस्थानों की शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान क्षमता और स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाना राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य है. समिति में विशेषज्ञ सदस्यों का भी शामिल होना तय किया गया है. इसमें टाटा मेमोरियल अस्पताल के पूर्व निदेशक डॉ. राजेंद्र बडवे, के.ई.एम. अस्पताल के पूर्व निदेशक डॉ. संजय ओक, ग्रांट वैद्यकीय महाविद्यालय के सहयोगी अधिष्ठाता डॉ. रणजीत माणकेश्वर, बीजी शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय पुणे के प्राध्यापक व विभाग प्रमुख डॉ. राजेश कार्यकर्ते और आरोग्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलसचिव सदस्य के रूप में शामिल होंगे. महाराष्ट्र वैद्यक परिषद के प्रबंधक समिति के सदस्य सचिव होंगे.

- समिति तीन माह में देगी रिपोर्ट

समिति राज्य के शासकीय मेडिकल कॉलेजों की वर्तमान शैक्षणिक और प्रशासनिक संरचना का अध्ययन करेगी. स्वायत्तता की आवश्यकता और संभावित लाभों का मूल्यांकन करेगी. इसके अलावा देश-विदेश में सफल मॉडल जैसे एम्स, पीजीआई चंडीगढ़ और टाटा मेमोरियल की व्यवस्थापन पद्धतियों का भी विश्लेषण किया जाएगा. समिति का उद्देश्य स्वायत्त महाविद्यालयों के लिए संचालक मंडल और शैक्षणिक परिषद की संरचना, अधिकार, वित्तीय और प्रशासनिक व्यवस्थाएं निर्धारित करना होगा. इसमें आर्थिक स्वायत्तता, आंतरिक राजस्व प्रणाली, लेखापरीक्षण व्यवस्था और कर्मचारियों व अध्यापकों के लिए नई सेवा शर्तें व नीतियों पर भी सिफारिशें शामिल होंगी.

घरेलू एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक, अफवाहों से बचने की अपील

बैतूल। जिला आपूर्ति अधिकारी केके टेकाम ने कहा कि बैतूल जिले में घरेलू एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है तथा ऑयल कंपनी से आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी है। उन्होंने बताया कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ऑयल कंपनियों द्वारा एहतियातन घरेलू गैस कनेक्शन की रिफिल बुकिंग अवधि 21 दिवस के स्थान पर 25 दिवस कर दी गई है। साथ ही कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई उपलब्धता के आधार पर निरंतर जारी है। अत्यंत आवश्यक संस्थाओं चिकित्सालय, शैक्षणिक संस्थाओं में आपूर्ति निर्बाध जारी है। गैस कनेक्शन की रिफिल बुकिंग में सर्वर की कुछ आंशिक समस्या के कारण कुछ विलंब हो रहा है। जिसका निराकरण भी ऑयल कंपनियों से सतत समन्वय कर दुरूस्त किया जा रहा है। होटल, रेस्टोरेन्ट, उद्योग संस्थानों को ईंधन के रूप में एलपीजी के अतिरिक्त अन्य ईंधन के विकल्प के उपयोग के लिए भी समझाइश दी जा रही है। जिससे कि होटल, रेस्टारेन्ट, उद्योग संस्थान भी सुचारू रूप से संचालित रहे। अनुभाग स्तर पर अनुविभागीय दण्डाधिकारी के नेतृत्व में तहसीलदार, पुलिस थाना प्रभारी, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी का दल गठित कर एलपीजी के उपयोग एवं सप्लाई पर निगरानी करायी जा रही है।

नौकरी दिलाने का झांसा देने वाला ठग गिरफ्तार

घोड़ाडोंगरी। ट्रेनों में बेरोजगार युवाओं को सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले एक आरोपी को जीआरपी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी खुद को भोपाल केंद्रीय जेल का अधिकारी बताकर लोगों से पैसे ऐंठता था। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रेनों में हो रही धोखाधड़ी और जालसाजी की घटनाओं की रोकथाम के लिए पुलिस अधीक्षक रेल भोपाल राहुल कुमार लोढ़ा के निर्देश तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतू डाबर और उप पुलिस अधीक्षक रामस्नेही चौहान के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई। मामला 29 जनवरी 2026 का है, जब आमला-छिंदवाड़ा मेमो पैसेंजर ट्रेन में एक व्यक्ति ने आवेदिका लताशा चौहान, निवासी जुन्नारदेव, को भोपाल केंद्रीय जेल में जेल प्रहरी की नौकरी दिलाने का झांसा दिया। आरोपी ने पहले 1050 रुपये ले लिए और ट्रेनिंग के नाम पर 25,500 रुपये और मांगने लगा। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय भोपाल के माध्यम से शिकायत प्राप्त हुई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने संदिग्ध राजपाल यादव के मोबाइल नंबर की तकनीकी जांच और लोकेशन के आधार पर 13 मार्च 2026 को ट्रेन नंबर 12722 दक्षिण एक्सप्रेस में सघन जांच की। जांच के दौरान स्लीपर कोच में संदिग्ध हुलिए का एक व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम इंद्रपाल पाल (55 वर्ष) निवासी खंजनपुर थाना गंज बैतूल बताया। उसने स्वीकार किया कि वह बैतूल, छिंदवाड़ा, भोपाल और इंदौर के बीच चलने वाली ट्रेनों में बेरोजगार युवक-युवतियों को अपना नाम राजपाल यादव, उप जेल अधिकारी भोपाल बताकर नकली विजिटिंग कार्ड दिखाता था और नौकरी दिलाने के नाम पर पैसे वसूलता था।

हाई कोर्ट ने भूमि अधिग्रहण अधिकारी को दिया सुधार का आदेश

नगर संवाददाता

नागपुर. सम्पत्तिधारक होने के बावजूद भूमि अधिग्रहण के मामले में मालिक के रूप में मान्यता नहीं देने तथा मुआवजे से वंचित रखने पर आपत्ति जताते हुए आनंद पाटिल ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की. याचिका पर सुनवाई के बाद न्यायाधीश अनिल किल्लोर और न्यायाधीश राज वाकोडे ने जमीन अधिग्रहण के एक मामले में प्रशासन की कार्यप्रणाली पर कड़ा रुख अपनाया है. कोर्ट ने विशेष भूमि अधिग्रहण अधिकारी और अनुविभागीय अधिकारी (स्छह्) को

जमीन अधिग्रहण मुआवजे में बड़ी लापरवाही

निर्देश दिया है कि वे याचिकाकर्ता के मालिकाना हक और मुआवजे से जुड़ी शिकायतों पर 6 सप्ताह के भीतर निर्णय लें.

पुराने मालिक के नाम जारी हुआ अवार्ड

याचिकाकर्ता आनंद का कहना है कि राजस्व रिकॉर्ड में म्यूटेशन एंट्री (फेरफार) के जरिए उनका नाम जमीन के मालिक के रूप में दर्ज है और वे नियमित रूप से मनपा करों का भुगतान भी कर रहे हैं. इसके बावजूद जब उनकी जमीन का अधिग्रहण किया गया तो विशेष भूमि अधिग्रहण अधिकारी ने उन्हें मालिक के रूप में मान्यता नहीं दी. याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि अधिग्रहण के बाद जारी किए गए %अवार्ड% में न तो उनके नाम का जिक्र है और न ही उनकी पात्रता को स्वीकार किया गया है. प्रशासन ने पुराने मालिक के नाम पर अवार्ड पारित कर दिया और मुआवजे की राशि भी उन्हीं के नाम पर जमा करा दी. इस बड़ी विसंगति को लेकर याचिकाकर्ता ने 1 दिसंबर 2025 को संबंधित अधिकारी के पास अपना पक्ष रखा था और 29 दिसंबर 2025 को एक रेफरेंस भी दाखिल किया था.

अधिकारियों की चुप्पी पर कोर्ट सख्त

हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान यह बात सामने आई कि याचिकाकर्ता द्वारा बार-बार आवेदन देने के बावजूद प्रशासन ने न तो उनकी शिकायतों का निपटारा किया और न ही उनके आवेदन पर कोई कार्रवाई की. हाई कोर्ट ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए रिट याचिका का निपटारा कर दिया और प्रशासन को समय सीमा के भीतर काम करने का आदेश दिया. अदालत ने विशेष भूमि अधिग्रहण अधिकारी को आदेश दिया गया है कि वे याचिकाकर्ता के 1 दिसंबर और 29 दिसंबर 2025 के आवेदनों पर 6 सप्ताह के भीतर फैसला लें. साथ ही लिए गए निर्णय की जानकारी अगले 2 सप्ताह के भीतर याचिकाकर्ता को लिखित रूप में देनी होगी.

शोक संवेदना | **भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की पुत्री के निधन पर जताई शोक संवेदना**

मुख्यमंत्री मोहन यादव और डिप्टी सीएम देवड़ा पहुंचे खंडेलवाल निवास

नवभारत न्यूज

बैतूल, 14 मार्च. मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और मंत्री कृष्णा गौर शनिवार को बैतूल पहुंचे। उन्होंने गंज स्थित निवास पहुंचकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की पुत्री सुरभि के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को हेलीकॉप्टर से बैतूल पहुंचे। उन्होंने गंज स्थित खंडेलवाल निवास जाकर परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वे सुरभि के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने आए हैं। उन्होंने कहा कि खंडेलवाल जी ने सुरभि की बहुत सेवा की। वह बाल्यकाल से ही कष्ट में थी, लेकिन परिवार के किसी सदस्य के बिछड़ने का दुख तो होता ही है। उन्होंने कहा कि इस शोक की घड़ी में वे परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं और बाबा महाकाल से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को मोक्ष प्रदान करें। इससे पहले प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और मंत्री कृष्णा गौर भी बैतूल पहुंचे। उन्होंने खंडेलवाल निवास जाकर परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा सड़क मार्ग से बैतूल पहुंचे थे। देवड़ा ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया।

खंडेलवाल निवास पर उमड़े प्रदेशभर के नेता : सुरभि खंडेलवाल के निधन के बाद से बैतूल में प्रदेशभर के नेताओं के आने का सिलसिला लगातार जारी है। खंडेलवाल निवास पर शनिवार को भी प्रदेश सरकार के अन्य मंत्री, जनप्रतिनिधियों, भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं का लगातार आना-जाना लगा रहा। सभी ने दिवंगत सुरभि खंडेलवाल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया।

कैबिनेट मंत्रियों ने दिवंग सुश्री सुरभि खंडेलवाल को दी श्रद्धांजली

बैतूल। मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्रियों ने प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ विधायक हेमंत खंडेलवाल की सुपुत्री दिवंगत सुश्री सुरभि खंडेलवाल को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना, पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह, मानव अधिकार आयोग अध्यक्ष अवधेश प्रताप सिंह, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह शनिवार को बैतूल में विधायक श्री खंडेलवाल के निज निवास पहुंचे, यहां उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

सुरभि खंडेलवाल को नवभारत परिवार की श्रद्धांजलि

नवभारत न्यूज

बैतूल, 14 मार्च. **जीवन की अनिश्चितता का क्रुर सत्य एक बार फिर सामने आया, जब खंडेलवाल परिवार की प्रिय पुत्री सुरभि खंडेलवाल, असमय ही इस संसार से विदा हो गईं। इस असहनीय दु:ख की घडी में, नवभारत परिवार शोक संतप्त परिवार के साथ खडा दिखाई दिया।**

नवभारत के प्रबंध सम्पादक सुमित माहेश्वरी ने स्वयं खंडेलवाल निवास पहुंचकर अपनी संवेदनाएं प्रकट की। इस दु:खद अवसर पर उनके साथ नवभारत भोपाल के सम्पादक दिलीप झा, न्यूज एडिटर प्रशांत जैन, उमाशंकर दुबे तथा उमाकांत शर्मा भी मौजूद थे। श्री माहेश्वरी ने अत्यंत भावुक शब्दों में कहा, बिटिया का जाना खंडेलवाल परिवार के लिए एक अपूरणीय क्षति है। सुरभि बिटिया का असमय जाना अत्यंत दु:खद है। माता-पिता और प्रियजनों की वेदना को समझना भी कठिन है, और इस खालीपन को कोई शब्द नहीं भर सकता। खंडेलवाल परिवार को सांत्वना देते हुए कहा कि नवभारत परिवार उनकी इस पीढा में सहभागी है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार को यह असीम दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की।

न्यायालय तहसीलदार तहसील मोहखेड़ जिला छिन्दवाडा (म0प्र0)

क्रमांक/1314/प्रवा. / तह. / 2026

मोहखेड दिनांक 13/03/2026

ईश्तेहार/उद्घोषणा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका बेडू बेवाा मनाजी जाति पवार निवासी झिरिया तहसील मोहखेड जिला छिन्दवाडा द्वारा भूमि मौजा सारंगबिहरी प0ह0नं0 68 रा0नि0म0 इकलबिहरी स्थित भूमि खसरा नम्बर 802, 964/1 रकबा 0.057, 2.808 हेक्टेयर 2.865 हे0 भूमि पर सहखातेदार मे आवेदिका बेडू बेवा मनाजी जाति पवार अन्य शामिल शरीक में होने से अंश अनुसार बटवारा किये जाने के संबंध में आवेदन पत्र मय दस्तावेजों के इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं।

उक्त भूमि मौजा-मौजा- सारंगबिहरी प0ह0नं0 68 रा0नि0म0 इकलबिहरी स्थित भूमि खसरा नम्बर 802, 964/1 रकबा 0.057, 2.808 हेक्टेयर 2.865 हे0 भूमि पर सहखातेदार में आवेदिका बेडू बेवा मनाजी जाति पवार अन्य शामिल शरीक मे होने से अंश अनुसार बटवारा किये जाने के संबंध में किसी व्यक्ति / खातेदार / संस्था जो कि वास्तविक संबंध रखते हैं, वह दिनांक 24/03/2026 को समय प्रात: 11 बजे स्वयं या अपने अधिवक्ता / अभिभावक के माध्यम से न्यायालय तहसीलदार तहसील मोहखेड में उपस्थित होकर अपनी लिखित / मौखिक रूप से दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

नियत समयावधि में किसी व्यक्ति / खातेदार / संस्था द्वारा दावा / आपत्ति प्राप्त न होने की दशा में बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचारण नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13/03/2026 को मेरे न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर के अधीन जारी किया गया हैं।

प्रतिलिपि:- आवेदिका इश्तेहार प्रकाशन दो समाचार पत्र में प्रकाशित कर प्रति पेश करे।

पदमुद्रा

तहसीलदार
मोहखेड़